Raj Express (Indore), 9th May 2026, Page – 04

बेटियों को प्रोत्साहन : सुपरन्यूमनेरी का कोटा कुल सीटों का 20 प्रतिशत

आईआईटी इंदौर में बेटियों की बढ़ती भागीदारी, अन्य संस्थानों की तुलना में कहीं बेहतर आंकड़े

पिछले साल 95 प्रतिशत सीटें भरी, इस बार 100 प्रतिशत का प्रयास

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में गर्ल्स (सुपरन्यूमनेरी) का कोटा कुल सीटों का 20 प्रतिशत है। पिछले साल, इनमें से 95 प्रतिशत से अधिक सीटें भरी गईं। आईआईटी इंदौर इस साल 100 प्रतिशत सीटें भरने के लिए प्रयासरत है। सूत्रों की मानें तो नए आईआईटीज में इंदौर की स्थिति बेटियों को एडमिशन देने में बहुत बेहतर है। दरअसल देश के सभी आईआईटी में लिंगानुपात कम करने के लिए बेटियों के लिए 20 फीसदी सीट निर्धारित की है। यह सीट सुपरन्यूमनेरी के तहत बेटियों को आवंटित की जाती है। कुल मिलाकर तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में बेटियों की बढ़ती भागीदारी अब साफ तौर पर दिखाई देने लगी है। इसका सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है आईआईटी इंदौर।

आईआईटी दिल्ली और इंदौर का प्रतिशत बराबर: आईआईटी इंदौर में 2025 में कुल सीटों की संख्या 480 थी। इसमें सभी सीटों पर एडमिशन हुए।

लड़कियों को 99 सीट अलॉट हुई, इस तरह 20.63 प्रतिशत सीटें आवंटित हुई। आईआईटी दिल्ली और इंदौर में लड़कियों को एडमिशन देने का प्रतिशत बराबर ही है। जबकि नए आईआईटीज में इंदौर की स्थिति सबसे बेहतर है।

समाज में लैंगिक समानता को भी बढ़ावा

सूत्रों के अनुसार, नए आईआईटी संस्थानों में आईआईटी इंदौर बेटियों को प्रवेश देने के मामले में बेहतर स्थिति में है। यहां का लिंगानुपात अन्य कई संस्थानों की तुलना में संतुलित होता जा रहा है, जो इस नीति की सफलता को दर्शाता है। दरअसल, देश के सभी आईआईटी में छात्राओं की संख्या बढ़ाने और लिंगानुपात को संतुलित करने के उद्देश्य से 20 प्रतिशत सुपरन्यूमरेरी सीटों का प्रावधान किया गया है। यह सीटें सामान्य सीटों के अतिरिक्त होती हैं, जिससे अन्य वर्गों के अवसरों पर असर डाले बिना बेटियों को अधिक अवसर मिल सकें। इस निर्णय के लागू होने के बाद से आईआईटी में छात्राओं के प्रवेश का स्तर लगातार सुधर रहा है। शिक्षाविदों का मानना है कि इस तरह की नीतियां न केवल बेटियों को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि समाज में तकनीकी क्षेत्र में लैंगिक समानता को भी बढ़ावा देती हैं।

वर्ष 2025

- कुल प्रवेशित फीमेल छात्रा की संख्या: 3664
- जेंडर न्यूट्रल कोटा के तहत प्रवेशित फीमेल छात्रा की संख्या : 31
- फीमेल ओनरी सुपर न्यूमरेरी कोटा के तहत प्रवेशित फीमेल छात्रा की संख्या: 3633

वर्ष 2024

- कुल प्रवेशित फीमेल छात्रा की संख्या : 3495
- जेंडर न्यूट्रल कोटा के तहत प्रवेशित फीमेल छात्रा की संख्या : 15
- फीमेल ओनरी सुपर न्यूमरेरी कोटा के तहत प्रवेशित फीमेल छात्रा की संख्या: 3480

फीमेल छात्राओं का प्रवेश आज भी 20 प्रतिशत सुपर सुपरन्यूमनेरी सीट के भरोसे: देशभर के आईआईटी संस्थानों के विभिन्न पाठ्यक्रमों में फीमेल-छात्राओं का प्रवेश आज भी 20 प्रतिशत सुपर सुपरन्यूमनेरी सीट्स के भरोसे ही है। जेंडर न्यूट्रल कैटेगरी से आईआईटी संस्थानों में प्रवेश प्राप्त करने वाली फीमेल छात्राओं की संख्या बहुत कम हैं। वर्ष 2025 में आईआईटी संस्थानों की कुल 18188 सीटों पर प्रवेश दिए गए, जिसमें से मात्र 31 फीमेल छात्रा को प्रवेश जेंडर न्यूट्रल कोटा के आधार पर प्राप्त हुआ। 5 वर्षों में जेंडर न्यूट्रल कोटा से आईआईटी संस्थानों में प्रवेशित फीमेल छात्रा का आंकड़ा 100 की संख्या भी नहीं छू सका। वर्ष 2021 से 2025 तक जेंडर न्यूट्रल केटेगरी से प्रवेशित फीमेल छात्रा की संख्या मात्र 96

मात्र 1 विदेशी विद्यार्थी को सीट आवंटित

रिपोर्ट के अनुसार जेईई एडवांस-2025 प्रवेश परीक्षा के आधार पर सिर्फ एक ही विद्यार्थी को आईआईटी संस्थान में सीट आवंटित की गई। रजिस्टर्ड विदेशी विद्यार्थियों की संख्या 129, पेपर-1 व पेपर-2 दोनों प्रश्न पत्रों में शामिल होने वाले विदेशी विद्यार्थियों की संख्या 116, क्वालिफाइड विदेशी विद्यार्थियों की संख्या 13 और आईआईटी संस्थानों में सीट प्राप्त करने वाले विदेशी विद्यार्थियों की संख्या 1 रही।

गर्ल्स की संख्या बढ़ाने पर जोर

गर्ल्स (सुपरन्यूमनेरी) का कोटा कुल सीटों का 20 प्रतिशत है। पिछले साल, इनमें से 95 प्रतिशत से अधिक सीटें भर गई थीं, और हम इस साल लगभग 100 प्रतिशत सीटें भरने की उम्मीद कर रहे हैं। आईआईटी इंदौर हर साल गर्ल्स की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रहा है।

■ **प्रो. सुहास जोशी,** निदेशक, आईआईटी इंदौर

है। दरअसल ज्वाइंट इंप्लीमेंटेशन कमेटी-जेआईसी की ओर से प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस-2025 की रिपोर्ट के अनुसार इसमें जोन-आधारित परीक्षा परिणाम, पेपर विश्लेषण, सीट आवंटन के आंकड़ों, विभिन्न कैटेगरी के आधार पर चयनित विद्यार्थियों की संख्या व टॉप 5000 रैंकर्स को आवंटित किए गए आईआईटी संस्थानों के पाठ्यक्रमों का उल्लेख किया गया हैं।